

寓言画典

YUYAN HUADIAN ZHELI JINGSHI

哲理警世

主编 / 朱迪卓
策划 / 宋之谦

刘 晓
玉 宏



蓝天出版社

上卷

图书在版编目(CIP)数据

寓言画典/朱迪卓等编. —北京:蓝天出版社,1995.6
ISBN 7-80081-583-8

I. 寓…

Ⅱ. 朱…

Ⅲ. 寓言-中国-当代-图画故事

IV. I277.4

蓝天出版社出版发行

(北京复兴路14号)

(邮政编码:100843)

电话:6784244 6788133

新华书店经销

北京市朝阳区小红门印刷厂印刷

850×1168毫米 大32开本 33.875印张
1995年6月第1版 1995年6月第1次印刷

(全两册)定价:42.00元

序

寓言是文学与哲理交融哺育的一朵鲜花。

当风、雅、颂的典雅肃穆与楚辞的浓艳瑰丽交相辉映，汉赋的恢弘与唐诗的雄浑双峰并峙，宋词的清婉，元曲的洒脱，明清小说的浪漫鲜活此消彼长、各领风骚时，在姹紫嫣红、繁花似锦的边缘地带，寓言悄悄散发着静谧的清香，不事张扬地丰富着自然的品种与色彩。

简简单单的故事，及其中蕴含的寓意，是寓言的一切。简单是繁复的归纳与终结，是艺术的原始形式。当形象独立演绎故事的内容时，寓意和内涵便随着形象的移步换形，呈现不尽相同的层次，展示具体时代背景下多姿多彩的性格侧面。

不拘一格的结构，轻便灵活的体制，随意自由的表达方式，呈示与显现的是民族的心态与性格。注重人生经验教训的总结和行为方式的伦理规范，是哲理、警世部分的主旨；表明了中华民族认识世界，改造世界的兴趣所在。寓言所反映的“人的自觉”及“文的自觉”，是从讽刺到幽默的自然演进。当尖刻嘲讽和辛辣抨击让位给宽容调侃和轻松自嘲，标志着农业文明进入成熟期，具有宽厚涵容的幽默风格；将人类的缺点和不足善意地看成人优点的扩大或缩小。意境的隽永和智慧的含蓄是表现手法的终极追求。

失去主流文学的资格，无形中卸下了表现主旋律的重任。

生命情绪的感悟体验及心灵意志的自然流露，便在这方净土上天籁般地舒展着伦理重压下的生命情趣。

目 录

[上卷·哲理警世]

- | | |
|-------------|-------------|
| [1] 闻斯行诸 | [39] 鱼之乐 |
| [3] 常山蛇 | [41] 髑髅 |
| [5] 同舟共济 | [43] 鲁侯养鸟 |
| [7] 楚王好细腰 | [45] 痾倮承蜩 |
| [9] 殴骥与殴羊 | [47] 操舟若神 |
| [11] 五十步笑百步 | [49] 纪渚子养斗鸡 |
| [13] 掘苗助长 | [51] 梓庆为鐻 |
| [15] 楚人学齐语 | [53] 丰狐文豹 |
| [17] 攘鸡 | [55] 腾猿 |
| [19] 子产受骗 | [57] 异鹊 |
| [21] 学弈 | [59] 鲁少儒 |
| [23] 不龟手之药 | [61] 捶钩者 |
| [25] 庄周梦蝶 | [63] 匠石运斤 |
| [27] 相濡以沫 | [65] 涸辙之鲋 |
| [29] 倏、忽与浑沌 | [67] 钓鱼 |
| [31] 臧谷亡羊 | [69] 畏影恶迹 |
| [33] 汉阴丈人 | [71] 探骊得珠 |
| [35] 轮扁斲轮 | [73] 海鸥 |
| [37] 东施效颦 | [75] 朝三暮四 |

[77] 燕人归国
[79] 小儿辩日
[81] 高山流水
[83] 韩娥善歌
[85] 郗雍视盗
[87] 运气
[89] 歧路亡羊
[91] 杨布打狗
[93] 放生
[95] 岂辱马医
[97] 亡斧者
[99] 山雉与凤凰
[101] “盗”与“殴”
[103] 周人卖璞
[105] 蒙鸠
[107] 浮阳之鱼
[109] 处女遇盗
[111] 涓蜀梁
[113] 和氏璧
[115] 蔡桓公忌医
[117] 子罕拒玉
[119] 玉寿焚书
[121] 争先恐后
[123] 自胜为强
[125] 鲁人徙越
[127] 许由避位

[129] 三人成虎
[131] 心存侥幸
[133] 徙辕南门
[135] 棘刺母猴
[137] 白马过关
[139] 郑人争年
[141] 乱政图名
[143] 解狐荐仇
[145] 狗猛酒酸
[147] 公仪休嗜鱼
[149] 造父御马
[151] 割肉相啖
[153] 偏激
[155] 田鸠见秦王
[157] 孔子马逸
[159] 蹶与蛰蛰、距虚
[161] 鄙人遗闭
[163] 颜回攫甑
[165] 良狗取鼠
[167] 两虎相争
[169] 子死不忧
[171] 海大鱼
[173] 田夫得利
[175] 公甫文伯之死
[177] 南辕北辙
[179] 马不千里

[181] 鹬蚌相争
[183] 傅马棧最难
[185] 社鼠
[187] 分定不争
[189] 樵夫过梁
[191] 老子问疾
[193] 曲高和寡
[195] 魏文侯期猎
[197] 五不足恃
[199] 张仪治痈
[201] 桂餌金钩
[203] 子车氏之猪
[205] 治头疮
[207] 三人同舍
[209] 二人相斗
[211] 一目之罗
[213] 塞翁失马
[215] 鹊巢扶枝
[217] 反裘负刍
[219] 熊渠子射石
[221] 束缊乞火
[223] 曲突徙薪
[225] 对牛弹琴
[227] 城门失火
[229] 羿射不中
[231] 熟能生巧

[233] 攻其不备
[235] 恐钟有声
[237] 戴嵩画牛
[239] 夜光之珠
[241] 乌鸦与鸡
[243] 角象龙鸣
[245] 熊性恶血
[247] 越人诱鼠
[249] 捕鼠之猫
[251] 射箭之道
[253] 治舟驾舟
[255] 楚人畏鬼
[257] 役虎
[259] 越人造车
[261] 孔雀惜羽
[263] 蜘蛛与蛇
[265] 蚯蚓与蜈蚣
[267] 壁虎斗蝎
[269] 老人结草
[271] 公鸡断尾
[273] 击邻家之子
[275] 多言何益
[277] 东郭敞多愿
[279] 逢蒙杀羿
[281] 坎井之蛙
[283] 邯郸学步

[285] 庄子钓鱼
[287] 鹈鹕与鸥
[289] 说薏
[291] 山木与雁
[293] 方舟济河
[295] 意怠鸟
[297] 林回弃璧
[299] 吴王射狙
[301] 长梧封人
[303] 曹商使秦
[305] 杞人忧天
[307] 不射之射
[309] 夸父追日
[311] 薛谭学讴
[313] 纪昌学射
[315] 造父习御
[317] 田夫献曝
[319] 道见桑妇
[321] 齐人攫金
[323] 齐宣王开弓
[325] 黄公好谦卑
[327] 楚王遗弓
[329] 智子疑邻
[331] 蛇神
[333] 醉酒亡裘
[335] 老马识途

[337] 树杨拔杨
[339] 逆旅二妾
[341] 鲁丹出逃
[343] 三虱争讼
[345] 啬夫求悦
[347] 大钟灭国
[349] 不赐弊褌
[351] 美人掩鼻
[353] 曾子杀猪
[355] 楚王击鼓
[357] 西门豹治邺
[359] 吴起休妻
[361] 踞辇而歌
[363] 进退两难
[365] 自相矛盾
[367] 祁奚荐贤
[369] 腹䟽杀子
[371] 王子搜避位
[373] 湣王亡卫
[375] 网开三面
[377] 留后路
[379] 牛缺遇盗
[381] 引婴投江
[383] 伐枯梧树
[385] 一鸣惊人
[387] 掣肘

[389] 窥井自照
[391] 幽王击鼓
[393] 黎丘丈人
[395] 穿井得人
[397] 百发百中
[399] 扁鹊见秦王
[401] 曾参杀人
[403] 江上处女
[405] 智伯之亡
[407] 邹忌窥镜
[409] 土偶和桃梗
[411] 狗溺井
[413] 惊弓之鸟
[415] 骥遇伯乐
[417] 虎怒决蹠
[419] 求千里马
[421] 新妇
[423] 三不祥
[425] 晏子之御
[427] 阳桥与魴
[429] 巫马其买酖
[431] 黄帝四面
[433] 以声听政
[435] 中州之蜗
[437] 子思论人
[439] 钓鰕鱼

[441] 苛政猛于虎
[443] 嗟来之食
[445] 捕雀者说
[447] 庭燎求贤
[449] 螳臂搏轮
[451] 相术
[453] 屠牛吐
[455] 齐使献鸿
[457] 螳螂捕蝉
[459] 指鹿为马
[461] 扁鹊与女巫
[463] 双白璧
[465] 出亡悟理
[467] 昭王拾屣
[469] 善呼者
[471] 佩玦逐兔
[473] 释魔
[475] 田子方赎老马
[477] 狐狸捕雉
[479] 楚人烹猴
[481] 师旷劝学
[483] 乐羊食子
[485] 白鱼化龙
[487] 泉将东徙
[489] 惠子渡河
[491] 埋两头蛇

[493] 六翮与毳毛
[495] 郭氏之墟
[497] 秕谷食鳬
[499] 求仕不遇
[501] 孺子驱鸡
[503] 鲍鱼神
[505] 李君神
[507] 焦尾琴
[509] 玄鹤献珠
[511] 断席绝交
[513] 煮豆燃萁
[515] 鸚鵡灭火
[517] 折箭
[519] 千万买邻
[521] 凤丧其助
[523] 黠鼠
[525] 浮芥之蚁
[527] 耕牛之冤
[529] 马嘉鱼
[531] 越人与狗
[533] 楚人佞鬼
[535] 勇不可恃

[537] 焚鼠毁庐
[539] 郑人爱鱼
[541] 东海王鲋
[543] 养泉
[545] 东都旱
[547] 象虎
[549] 鸛鸟之智
[551] 岛人食蛇
[553] 梧邱封人
[555] 人假狮威
[557] 冯妇
[559] 鹰化为鸠
[561] 珥亡耳存
[563] 莠萝与大树
[565] 自出机杼
[567] 楚人操舟
[569] 琢冰
[571] 贾胡买石
[573] 龙
[575] 事事如意
[577] 宝石



闻斯行诸

孔子的学生子路问老师：“是不是听到有意义的事情就可以去做？”孔子回答说：“不行！因为你家中有父亲和哥哥需要你。”过了一会，另一个学生冉求问孔子：“听到好事就可以去做吗？”孔子说：“听到好事就去做是很好的！”孔子的另一学生公西华见老师对同一问题的回答完全不同，便问孔子其中的缘故。孔子告诉他说：“冉求性格谦让柔和，所以我就鼓励他勇敢向前；子路平素鲁莽，所以应该让他有所顾虑，不要贸然行动。”

先秦 孔子 《论语》

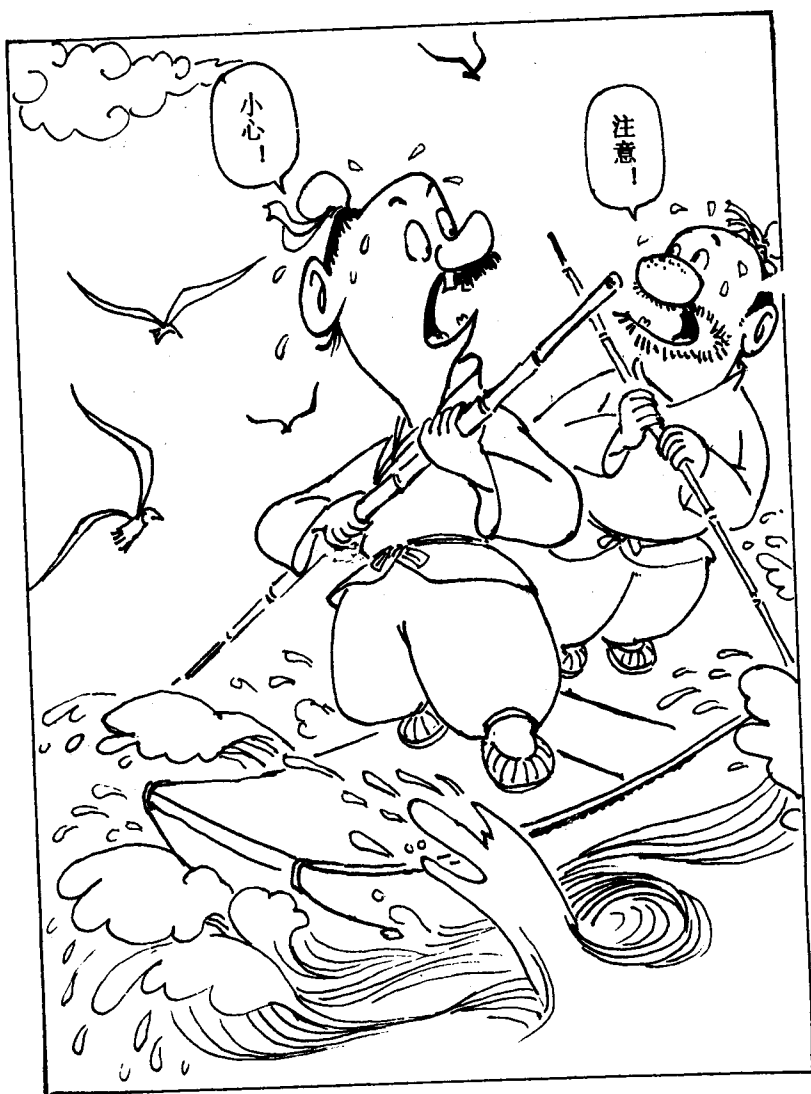


常山蛇

常 山 蛇

“率然”是一种生长在北岳恒山(又名常山)的怪蛇。它的头部如果受到攻击,尾巴就过来救援。要是打它的尾部,它的头就来救援。打它的中间的话,头和尾巴就都会来救援。它善于保护自己,要攻击它很困难。

先秦 孙武 《孙子》



同舟共济

古时候生活在南方的吴国人和越国人素来相互敌视,可以说是世仇。但假如他们同乘一条船渡河,遇到风暴的话,他们也会互相救助,就像一个人的左右手互相配合那样,一点也不会像是仇人。

先秦 孙武 《孙子》

